अहमदाबाद से प्रकाशित पाक्षिक R.N.I. No. 54975 /1994
Published on 15th & 30th of Every Month
Permited to post on 3rd & 17th every Month at A'bad PSO under postal Reg. No.
GAMC No. 1488/2017 - 2019 - Valid 2017 up to 31-12-2019

Website - http://www.sindhibandhu.com

सिन्धी बन्धु

We are available at

गुजरात से सर्वप्रथम प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक पत्रिका

E-mail: sindhibandhu@yahoo.in

अधिष्ठापक तंत्री - हरिश भागवाणी

E-mail: sindhibandhu@gmail.com

वर्ष *25 अंक 04 * दिनांक 15-07-2018 * संपादक: रेशमा भागवाणी * सहसंपादक : निर्मल भागवाणी * पृष्ठ : 4 * किंमत-1.00 * फोन-22822205 मो.:9429518141

मालिक - मुद्रक -प्रकाशक-संपादक : रेशमा भागवाणी ने लता ग्राफिक्स-२०, सर्जन बंग्लोझ, पार्श्वनाथ टाउनशीप, केनाल के पास, कृष्णनगर, अहमदाबाद से प्रिन्टींग कर के २०, सर्जन बंग्लोझ, पार्श्वनाथ टाउनशीप, केनाल के पास, कृष्णनगर, अहमदाबाद-३८२३४६ से प्रकाशित किया

300 करोड़ की परियोजना 3500 करोड़ में पूरी हुई; कई योजनाएं अटकी, भटकी पड़ी हैं: मिर्जापुर में मोदी

मिर्जापुर. नरेंद्र मोदी के उत्तरप्रदेश दौरे का रविवार को दूसरा दिन है। मिर्जापुर में उन्होंने बाणसागर नहर परियोजना का लोकार्पण किया। उन्होंने 108 जनऔषधि केंद्र और मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास भी किया। मोदी ने कहा कि उत्तरप्रदेश में एनडीए सरकार के सत्ता में आने के बाद पूर्वांचल का जो विकास हुआ है, उसे हर आदमी देख रहा है। बाणसागर परियोजना 300 करोड़ रुपए में पूरी हो सकती थी लेकिन ऐसा हुआ नहीं। अब ये 3500 करोड़ में पूरी हुई। देश में अब भी कई योजनाएं अटकी, लटकी, भटकी पड़ी हैं। शनिवार रात को मोदी ने करीब सवा घंटे अपने संसदीय क्षेत्र बनारस का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में बने काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा की थी।

'पूर्वांचल के विकास की गति बढ़ी'

मोदी ने कहा, "ये पूरा क्षेत्र दिव्य और अलौकिक है। विंध्य पर्वत और भागीरथी के बीच बसा ये क्षेत्र सदियों से अपार संभावनाओं का केंद्र रहा है। इन्हीं संभावनाओं को तलाशने और यहां हो रहे विकास कार्यों के बीच आज मुझे आपका आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है। मार्च में जब मैं यहां सोलर प्लांट का उद्घाटन करने आया था तब फ्रांस के राष्ट्रपति भी आए थे, तब हमारा स्वागत माता की चुनरी के साथ किया गया था। इस स्वागत से मैक्रों काफी अभिभूत हो गए थे। वे जानना चाहते थे मां के बारे में और जब मैंने उन्हें मां के बारे में बताया तो खुश हो गए।''

'जब से योगीजी की अगुआई में सरकार बनी है तबसे पूर्वांचल की विकास की जो गति बढ़ी है, उसके परिणाम आज नजर आने लगे हैं। जो सपना सोनेलाल पटेल जैसे कर्मशील लोगों ने देखे थे, उनको पूरा करने के लिए हम सब निरंतर प्रयास कर रहे हैं।''

"पिछले दो दिनों में अनेक विकास योजनाओं को समर्पित करने का मुझे अवसर मिला है। देश का सबसे लंबा पूर्वांचल एक्सप्रेसवे होगा। चाहे वाराणसी में किसानों के लिए बना कार्गो सेंटर हो, ये पूर्वांचल में हो रहे विकास को अभूतपूर्व गति देने का काम कर रहे हैं। विकास के इन्हीं कामों को आगे बढ़ाने के लिए मैं यहां आया हूं। मिर्जापुर बाणसागर बांध समेत 4 हजार करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास किया गया है। सिंचाई, स्वास्थ्य और सुगम आवागमन से जुड़ी ये योजनाएं इस क्षेत्र के लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने वाली हैं।''

'दो दशक तक कोई विकास नहीं हुआ'

मोदी ने कहा, "इस पूरे क्षेत्र की डेढ़ लाख हेक्टेयर जमीन को सिंचाई की सुविधा मिलने जा रही है। जो लाभ अब आपको मिलने वाला है वो आपको दो दशक पहले शुरू हो जाना था। यानी दो दशक बर्बाद हो गए। पिछली सरकारों ने यहां के किसानों की चिंता नहीं की। इस प्रोजेक्ट का खाका 40 साल पहले 1978 में खींचा गया था। लेकिन वास्तव में काम शुरू होते होते 20 साल निकल गए। इसके बाद कई सरकारें आईं-गईं लेकिन इस परियोजना पर सिर्फ बातें वादे हुए।''

"2014 में आपने हमें सेवा करने का मौका दिया। और हमारी सरकार ने अटकी हुई, लटकी हुई और भटकी हुई परियोजनाओं को खत्म करने का काम शुरू किया तो इस योजना का भी नाम आया। इसे कृषि विकास योजना से जोड़ा गया और पूरा करने के लिए सारी ऊर्जा लगा दी गई। बीते सवा साल में योगी जी ने इस काम को जितनी तेजी से आगे बढ़ाया उसी का परिणाम है कि बाणसागर आपके जीवन में बदलाव लाया। करीब 300 करोड़ की ये योजना उस वक्त हो पूरी हो सकती थी लेकिन हुई नहीं। समय बीतता गया और दाम बढ़ते गए। अब योजना साढ़े तीन हजार करोड़ में पूरी हो पाई। जिन लोगों ने आपके लिए घड़ियाली आंसू बहाए हैं, उनसे आपको पूछना चाहिए कि देश में अधूरी पड़ी ऐसी ही कई योजनाएं उन्हें नजर क्यों नहीं आईं। सिर्फ बाणगंगा का मामला नहीं है। देश के हर राज्य में ऐसी कई योजनाएं अटकी, भटकी और लटकी पड़ी हैं।''

कुमारस्वामी ने रोते हुए कहा- मुझे भगवान शंकर की तरह गठबंधन सरकार का जहर पीना पड़ रहा

एचडी कुमारस्वामी ने एक बार फिर गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री होने का दुख जताया। शनिवार को बेंगलुरु के एक कार्यक्रम में उन्होंने भावुक होकर कहा, "आप लोग गुलदस्ता लेकर मेरा स्वागत करने के लिए खड़े रहते हैं। आपको लगता होगा कि आपका भाई मुख्यमंत्री हो गया है। आप सभी खुश हैं, लेकिन इससे मैं खुश नहीं हूं। मैं जानता हूं कि गठबंधन का दर्द क्या होता है? मुझे विषकंठ (भगवान शंकर) की तरह गठबंधन सरकार का जहर पीना पड़ रहा है।"

28 मई को भी कुमारस्वामी ने कहा था कि मैं कांग्रेस की दया से मुख्यमंत्री बना हूं। राज्य के विकास की जिम्मेदारी मुझ पर है। मुझे मुख्यमंत्री के तौर पर काम करना है, लेकिन इसके लिए मुझे कांग्रेस के नेताओं की इजाजत लेना जरूरी है। उनकी इजाजत के बिना मैं कुछ नहीं कर सकता। आखिर, उन्होंने मुझे समर्थन जो दिया है। टैक्स लगाने के लिए मेरी आलोचना हो रही है। इन सबके बावजूद मीडिया कह रही है कि मेरी कर्जमाफी योजना में स्पष्टता नहीं है। अगर मैं चाहूं तो 2 घंटे में मुख्यमंत्री का पद छोड़ दूं।"

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में गठित राष्ट्रीय कृषि एवं मनरेगा समिति की पहली बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए आयोजित

मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी ने खेती की ऑन फील्ड गतिविधियों को भी मनरेगा से जोड़कर खेत गतिविधियों में कार्यरत परिवारों के उन सदस्यों को मनरेगा के तहत वेतन देने का प्रेरक सुझाव दिया है जो खेत मजदूरी करते हैं। इस संदर्भ में उन्होंने मनरेगा की मार्गदर्शिका में बदलाव करने की भी हिमायत की।

कृषि और मनरेगा के बीच तालमेल को लेकर नीति निर्माण के सुझावों के लिए नीति आयोग द्वारा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में गुजरात के मुख्यमंत्री सहित पांच राज्यों के मुख्यमंत्रियों की गठित समिति की गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित पहली बैठक में श्री विजय रूपाणी ने यह सुझाव दिए।

गांधीनगर स्थित मुख्यमंत्री आवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए इस बैठक में सहभागी बनते हुए श्री रूपाणी ने कृषि क्षेत्र के समन्वित दृष्टिकोण को शामिल करते हुए कृषि विकास और किसानों की आय दोगुनी करने के अहम सुझाव बैठक में दिए।

मुख्यमंत्री ने जल संग्रहण के लिए संसाधन खड़े करने से लेकर खेत उत्पादन की उचित बाजार व्यवस्था के लिए हाट बाजार और साप्ताहिक किसान बाजार तथा संग्रहण और ग्रेडिंग-सॉर्टिंग सेंटर, ऑन फार्म स्टोरेज गोडाउन सहित जमीन के पोषण के लिए जैविक इनपुट उत्पादन, बाड़ी योजना, खेत की मेड़ों पर बुवाई, घासचारा के लिए विकास कार्यक्रम, दुधारू पशुओं, भेड़-बकरी और मुर्गियों के लिए शेड, मत्स्य पालन के लिए तालाब बनाने का कार्य, मशीन के उपयोग से उत्पादन करने वाले किसान समूह द्वारा कार्यरत इकाईयों को मनरेगा के अंतर्गत शामिल करने जैसे मसलों के बारे में अहम सुझाव दिए।

समिति के सदस्य के रूप में अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों और नीति आयोग के सदस्य की ओर से राज्य की स्थिति के मद्देनजर महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए।

समिति के अध्यक्ष मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने अहम सुझावों सहित इस क्षेत्र में और अधिक विचार विमर्श के लिए क्षेत्रीय कार्यशाला के आयोजन का सुझाव दिया।

बैठक में यह तय किया गया कि पहली बैठक में दिए गए सुझावों और उसके कार्यान्वयन के लिए रणनीति और कृषि क्षेत्र में मनरेगा के समावेश को लेकर चर्चा के लिए समिति की दूसरी बैठक अगस्त महीने के आखिर में आयोजित होगी।

उल्लेखनीय है कि नीति आयोग की संचालन परिषद की हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित चौथी बैठक में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में कृषि क्षेत्र में संसाधन खड़े कर किसानों की आय दोगुनी करने तथा कृषि क्षेत्र के संकटों के निराकरण के मुख्य उद्देश्य को लेकर समिति के गठन का निर्णय किया गया था।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में गठित इस समिति में सर्वश्री विजय रूपाणी (गुजरात), ममता बनर्जी (पश्चिम बंगाल), योगी आदित्यनाथ (उत्तर प्रदेश), नीतीश कुमार (बिहार), एन. चंद्रबाबू नायडू (आंध्र प्रदेश) और पवन चामलिंग (सिक्किम) सहित नीति आयोग के सदस्य प्रो. रमेश चंद का समावेश किया गया है।

समिति के कार्य क्षेत्र में मुख्य रूप से सात मुद्दों का समावेश किया गया है। यह समिति कृषि क्षेत्र में बुआई से पहले और कटाई के बाद की अवधि में मनरेगा के माध्यम से कृषि से संबद्ध गतिविधियों के जरिए किसानों की आय में वृद्धि की संभावनाएं तलाशकर उसके क्रियान्वयन के संबंध में सिफारिशें देंगी।

राजकोट, वडोदरा और अहमदाबाद में सार्वजनिक सुविधा में बढ़ोतरी के लिए सात टीपी स्कीम को मंजूरी

राजकोट, वडोदरा और अहमदाबाद शहर के त्वरित एवं सुआयोजित विकास की दिशा में अहम कदम के रूप में राज्य सरकार के शहरी विकास विभाग ने शुक्रवार को राजकोट की वावड़ी, कोठारिया और मवड़ी की तीन प्रारंभिक टाउन प्लानिंग (टीपी) स्कीम, वडोदरा की सनाथल-नवापुर तथा सेवासी की ड्राफ्ट टीपी स्कीम और अहमदाबाद की वटवा एवं कड़ी की फाइनल टीपी स्कीम को मंजूरी प्रदान की है।

मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी ने तंत्र को तेजी से कार्य करने की हिदायत दी है ताकि नागरिकों की सुख-सुविधा बढ़े और सार्वजनिक उद्देश्य के लिए प्राधिकरणों को प्लॉट मिल सके। इसके चलते पिछले पांच महीने में करीब ५० डीपी-टीपी स्कीम को मंजूरी प्रदान कर शहरी क्षेत्रों में नागरिकों को अधिक बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने के कार्यों में गति आई है।

शहरी क्षेत्रों में टाउन प्लानिंग स्कीम को तेजी से पूरा करने के लिए राज्य सरकार ने आज राजकोट की १५-वावड़ी, १२-कोठारिया और २७-मवड़ी समेत तीन प्रिलिमनरी टीपी स्कीम को स्वीकृति दी है। करीब ३१० हेक्टेयर में फैली इन तीन प्रिलिमनरी टीपी स्कीम से प्राधिकरण को सार्वजनिक उद्देश्य के लिए कुल १११ प्लॉट मिलेंगे जिनका कुल क्षेत्रफल लगभग ६,८१,६२३ वर्गमीटर है।

राजकोट के कोठारिया में कुल ३३ प्लॉट का क्षेत्रफल १,६५५८० वर्गमीटर होता है। जबकि वावड़ी में २७ प्लॉट का २,२५,७११ वर्गमीटर और मवड़ी में ५१ प्लॉट का क्षेत्रफल २,८३,३३२ वर्गमीटर होता है। इसमें बाग-बगीचे, खुली जगह, लोगों की सुख-सुविधा के लिए सार्वजनिक सुविधा के प्लॉट तथा सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए रिहायशी प्लॉट का समावेश होता है।

राजकोट के संदर्भ में खास बात यह है कि पिछले चार महीनों में राजकोट शहर की २२-रैया, १६-रैया तथा १९ और १३-राजकोट सहित कुल चार प्रिलिमनरी टाउन प्लानिंग स्कीम को मंजूरी दी गई है।

मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी के निर्देश से राजकोट शहर के विकास आयोजन और उसके कार्यान्वयन में बहुत तेजी आई है।

जन केन्द्रित सकारात्मक दृष्टिकोण से काम करने की मुख्यमंत्री की ताकीद के चलते पिछले पांच महीने में करीब ५० डीपी-टीपी स्कीम को मंजूरी प्रदान कर शहरी इलाकों में लोगों की परेशानी दूर करने के कार्य में सच्चे अर्थ में गति आई है।

संपादकीय

देश की केवल 13 सड़कों पर चला सकते हैं 120 km की स्पीड से कार

नई दिल्ली. चौड़ी और सुंदर सड़क देख कर कार की स्पीड तेज हो ही जाती है। यह तेज स्पीड आपको जेल की हवा भी खिला सकती है। क्योंकि आप 80 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से अधिक गाड़ी नहीं चला सकते। लेकिन देश में 13 ऐसी सड़कें हैं, जहां आप 120 किलोमीटर की स्पीड से कार चला सकते हैं। ये सड़कें कोई आम सड़क नहीं हैं, इन सड़कों को इंडियन रोड नेटवर्क का सबसे हाई क्लास माना जाता है। आम भाषा में आप इन्हें एक्सप्रेस-वे कह सकते हैं। इन सड़कों का स्टैंडर्ड इतना ऊंचा होता है कि आप 100 की स्पीड से गाड़ी चलाने के लिए बेताब हो जाते हैं। यही वजह है कि केंद्र सरकार ने पिछले दिनों देश भर के Expressways पर मैक्सिमम स्पीड लिमिट 120 किमी प्रति घंटा कर देती है। जबकि दूसरे हाईवे पर यदि आप इस स्पीड से चलते हैं तो आपको 6 माह तक की जेल हो सकती है।

यह है देश का पहला एक्प्रेसस-वे

मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे 93 किमी की दूरी के साथ भारत का पहला छः लेन कंक्रीट, हाई-स्पीड, एक्सप्रेस-वे है। इस एक्सप्रेस-वे के बनने के बाद मुंबई और पुणे के बीच की दूरी 1.30 से 2 घंटे की रह गई है। सुरंगों और पहाड़ी के बीच से गुजर रहा यह एक्सप्रेस-वे की सुंदरता देखते ही बनती है। इससे पहले पुणे जाने के लिए मुंबई-चेन्नई राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच 4) का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब इस एक्सप्रेस-वे ने जगह ले ली है।

जयपुर-किशनगढ़ एक्सप्रेस-वे

जयपुर से किशनगढ़ के बीच 90 किमी लंबा बना यह एक्सप्रेस-वे 6 लेन का है। यह एक्सप्रेस-वे नेशनल हाईवे नंबर-आठ पर चलता है। इससे इन इलाकों में पर्यटन की संभावनाएं भी बड़ी तेजी से बढ़ी हैं।

अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस-वे

अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे को राष्ट्रीय एक्सप्रेस-वे 1 भी कहा जाता है। इसकी लंबाई 95 किमी है। जो नेशनल हाईवे-8 को रिप्लेस करता है। जो भारत के सबसे व्यस्त हाइवे में से एक है। यह एक्सप्रेस-वे गोल्डन चतुर्भुज परियोजना का हिस्सा है।

दिल्ली-गुड़गांव एक्सप्रेस-वे

गुड़गांव और दिल्ली को जोड़ने वाला एक्सप्रेस-वे 28 किमी लंबा है। जो 6 व 8 लेन का है। इस एक्सप्रेस-वे के बनने के बाद गुड़गांव में विकास का नया दौर शुरू हुआ।

वेस्टर्न एक्सप्रेस-वे

मुंबई वेस्टर्न एक्सप्रेस राजमार्ग 8-10 लेन वाला रिंग रोड है। 25.33 किमी एक्सप्रेस-वे माहिम क्रीक के पास शुरू होता है और शहर की उत्तरी सीमा में मीरा-दहिसर टोल बूथ तक फैला हुआ है। मुंबई में जाम से बचने के लिए इस एक्सप्रेस-वे का इस्तेमाल किया जाता है।

ईस्टर्न एक्सप्रेस-वे

ईस्टर्न एक्सप्रेस 6 लेन चौड़ा है। मुंबई के छत्रपति शिवाजी टर्मिनस में शुरू होता है और ठाणे तक फैलता है। 23 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस-वे भी मुंबई के महत्वपूर्ण सड़कों में से एक है।

यमुना एक्सप्रेस-वे

ताज एक्सप्रेस-वे के रूप में भी जाना जाने वाला यमुना एक्सप्रेस-वे 165 किमी लंबा है, जो 6-लेन का है। यह ग्रेटर नोएडा से शुरू हो कर आगरा तक जाता है। एक्सप्रेस-वे में 7 इंटरचेंज और कई प्रमुख पुल शामिल हैं। यह सीसीटीवी के माध्यम से कंट्रोल किया जाने वाला एक्सप्रेस-वे है। जहां सुरक्षा और दुर्घटना सहायता के लिए एसओएस बूथ, मोबाइल रडार मिनिमम और मैक्सिमम स्पीड पर पर निगरानी की व्यवस्था है।

बेटी के साथ लाहौर एयरपोर्ट पहुंचे नवाज शरीफ गिरफ्तार; दोनों रावलपिंडी जेल ले जाए गए

इस्लामाबाद.पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ (68) और बेटी मरियम (44) को देर रात रावलपिंडी की अदियाला जेल ले जाया गया। दोनों को वहां तक पहुंचाने के लिए पुलिस की अलग-अलग बख्तरबंद गाड़ियों का इस्तेमाल किया गया। जेल में नियमों के मुताबिक, मजिस्ट्रेट के सामने दोनों की मेडिकल जांच की गई। दोनों को जेल में कब तक शिफ्ट किया जाएगा इसकी जानकारी अभी साफ नहीं हो पाई है। इसी बीच, इस्लामाबाद के चीफ कमिश्नर ने सिहाला पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज के रेस्ट हाउस को सब जेल घोषित कर दिया। हालांकि, इसमें सिर्फ मरियम को ही रखा जाएगा। इससे पहले नवाज और मरियम को शुक्रवार रात लाहौर एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया गया था। पासपोर्ट जब्त करने के बाद भ्रष्टाचार निरोधी संस्था नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो (नैब) के अफसर दोनों को विशेष विमान से इस्लामाबाद लेकर आए थे। वहीं, नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो ने सुरक्षा कारणों के आधार पर नवाज और मरियम को निजी पेशी से छूट के लिए कोर्ट में अर्जी लगाई। इसके बाद नेशनल अकाउंटेबिलिटी कोर्ट ने जेल घोषित किए गए सिहाला रेस्ट हाउस में वारंट एग्जीक्यूट करने के लिए मजिस्ट्रेट वसीम अहमद को नियुक्त किया। अब नवाज और मरियम को कोर्ट में पेश नहीं होना पड़ेगा।

समर्थकों के प्रदर्शन से लाहौर जामः नवाज और मरियम का स्वागत करने के लिए पीएमएल-एन के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में सड़कों पर उतर आए। समर्थकों ने एयरपोर्ट और शहर में कई जगह रास्ते जाम कर दिए थे।फ्लाइट लैंड होने से पहले कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच लाहौर में नवाज के समर्थक उग्र हो गए और पत्थरबाजी की। जिस पर पुलिस ने नवाज समर्थकों को हिरासत में लिया। नवाज के भाई शाहबाज शरीफ ने भी एयरपोर्ट पर रैली की। हालात काबू रखने के लिए एयरपोर्ट के बाहर 2000 रेंजर्स तैनात रहे। शहर में भी 10 हजार जवान तैनात रहे। मोबाइल फोन और इंटरनेट सेवाएं, सरकारी टीवी का प्रसारण भी बंद रहा।

नस्लों के लिए कुर्बानी देने आया हूंः लंदन से अबुधाबी की तरफ जाते वक्त नवाज ने एक वीडियो मैसेज में कहा, "जो मेरे बस में है और जो मेरे बस में था वो मैंने कर दिया है। मुझे 10 साल की सजा हुई है, लेकिन मैं ये कुर्बानी पाक की नस्लों के लिए दे रहा हूं। मेरी लोगों से अपील है कि वे मेरे साथ हाथ से हाथ मिलाकर चलें और मुल्क की तकदीर बदलें।" नवाज ने लाहौर आने से पहले कहा- ''मैं आवाम से कहना चाहता हूं कि वो पाकिस्तान क्रांतिकारी बदलाव के लिए अन्याय और अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाएं।'' साथ ही उन्होंने मीडिया से सच दिखाने और किसी के दवाब में नहीं आने की अपील की।

'ये हमारे लिए मुश्किल वक्त':शुक्रवार को नवाज और मरियम को लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट पर उनके दोस्तों और परिजन ने विदाई दी। मरियम ने भी ट्वीट किया, "मैंने अपने बच्चों से मुश्किल हालात का मजबूती से सामना करने के लिए कहा है, लेकिन बच्चे तो बच्चे होते हैं। अलविदा कहना मुश्किल होता है, फिर वह चाहे बच्चों से ही क्यों न कहना हो।'' नवाज के बेटे हुसैन ने बताया कि उनकी मां कुलसुम ने एक महीने बाद आंख खोली। इससे ज्यादा मैं कुछ नहीं बता सकता। उन्हें दुआओं की जरूरत है। कुलसुम नवाज का लंदन के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। शरीफ परिवार ने लंदन में खरीदे थे 4 फ्लैट:कोर्ट ने हाल ही में नवाज को 10 साल की सजा सुनाई है। साथ ही उन पर करीब 72 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया। मरियम को 7 साल जेल में गुजारने होंगे और 18 करोड़ रुपए का जुर्माना देना होगा। उनके पति सफदर (54) को 1 साल की सजा सुनाई गई है। पूरा मामला लदन के अवेनफील्ड स्थित 4 फ्लैट से जुड़ा है। नवाज ने ये फ्लैट 1993 में खरीदे थे। वहीं, गुरुवार रात नवाज के दो पोते जुनैद सफदर और जकारिया हुसैन को लंदन में गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर एक प्रदर्शनकारी से मारपीट का आरोप है। जुनैद नवाज की बेटी मरियम और जकारिया नवाज के बेटे हुसैन का बेटा है।

'स्कूल ऑन व्हील्स' पायलट प्रोजेक्ट का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी ने बुधवार को गांधीनगर में राज्य के अगरिया क्षेत्र के श्रमिकों के बच्चों को स्थानीय स्तर पर प्रारंभिक शिक्षा मुहैया कराने के पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 'स्कूल ऑन व्हील्स' यानी चलती फिरती स्कूल का उद्घाटन किया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री श्री नितिनभाई पटेल और शिक्षा मंत्री श्री भूपेन्द्रसिंह चूड़ास्मा भी मौजूद थे।

गुजरात में अगरिया उस समुदाय विशेष को कहते हैं जो नमक उत्पादन के कार्य से जुड़ा होता है और महीनों तक नमक के खेतों में कार्यरत रहता है।

सर्व शिक्षा अभियान द्वारा इसके लिए गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम (जीएसआरटीसी) की अनुपयोगी बस को करीब ३.५० लाख रुपए के खर्च से मोबाइल शिक्षा सुविधाओं से लैस किया गया है।

स्कूल ऑन व्हील्स की खिड़कियों पर नई तकनीक के लौवर्स लगाए गए हैं ताकि रेत और पानी अंदर ना आ सके। इसके अलावा, पीवीसी फ्लोरिंग, ग्रीनबोर्ड, ३.७ केवी का अपग्रेड सोलर सिस्टम, २९ इंच का एलईडी टीवी, सेटअप बॉक्स (डीटूएच), ६ पंखे, ६ एलईडी लाइट, अग्निशामक यंत्र, पेयजल की टंकी समेत एक कुर्सी और १८ लिखने की मेज जैसी सुविधाएं इस चलती फिरती स्कूल में मुहैया कराई गई हैं।

राज्य सरकार की योजनानुसार इस प्रयोग के सफल होने पर आगामी समय में करीब ३० और बसों को जीएसआरटीसी के सहयोग से 'स्कूल ऑन व्हील्स' के तौर पर रूपांतरित किया जाएगा।

लगभग १२०० बच्चों को चरणबद्ध रूप से इसका लाभ दिया जाएगा। वहीं, अगरिया क्षेत्र के बच्चे जब अपनी मूल स्कूल में पढ़ने जाएंगे, तब इस बस का उपयोग अन्य स्थानान्तरण करने वाले बच्चों के लिए भी किया जा सकेगा।

उल्लेखनीय है कि सर्व शिक्षा अभियान का मुख्य उद्देश्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम के प्रावधान के अनुसार ६ से १४ वर्ष के सभी बच्चों का नामांकन, स्थायीकरण, ढांचागत सुविधा तथा गुणवत्तायुक्त शिक्षा मुहैया कराकर उन्हें कक्षा पहली से आठवीं तक की प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करना है।

राज्य में अलग-अलग भौगोलिक, सामाजिक और व्यवसायिक विविधता या अभिभावकों के स्थानान्तरण के कारण विशेषकर अगरिया क्षेत्र के जिलों कच्छ, पाटण, सुरेंद्रनगर, अमरेली, बनासकांठा, भावनगर और भरुच में अभिभावक छह से आठ महीने की अवधि के दौरान अगरिया क्षेत्र में कार्य के लिए स्थानांतरण करते हैं।

राज्य सरकार ने सभी के लिए शिक्षा को सहज और सरल बनाने के उदार भाव से अगरिया क्षेत्र के बच्चों सहित राज्य का एक भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे और कार्यस्थल पर अगरिया के बच्चों को शिक्षा की सुविधा और तकनीक के उपयोग से शिक्षा प्राप्त हो, इसके लिए स्कूल ऑन व्हील्स का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है।

सर्व शिक्षा अभियान द्वारा तैयार किए गए ई-कंटेन्ट के उपयोग से स्थानान्तरण की अवधि अर्थात अक्टूबर से अप्रैल महीने के दौरान अगरिया क्षेत्र में बच्चे अभिभावक के साथ रहकर शिक्षा हासिल करेंगे।

इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ईश्वरभाई परमार, शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती विभावरीबेन दवे, राज्य मंत्री ईश्वरसिंह पटेल, वासणभाई आहिर, मुख्य सचिव डॉ. जे.एन. सिंह, गुजरात एसटी निगम की प्रबंध निदेशक श्रीमती सोनल मिश्रा तथा सर्व शिक्षा अभियान के अधिकारी उपस्थित थे।

लोग माल्या की आलोचना करते हैं, लेकिन वह स्मार्ट है; उसने कई लोगों को रोजगार दिया: केंद्रीय मंत्री ओराम

केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम ने आदिवासियों को प्रोत्साहित करने के लिए भगोड़े कारोबारी विजय माल्या का उदाहरण दिया। ओराम ने शुक्रवार को हैदराबाद में राष्ट्रीय जनजातीय आंत्रप्रेन्योर कॉन्क्लेव 2018 में कहा, "लोग विजय माल्या की आलोचना करते हैं लेकिन कौन है माल्या? वह एक स्मार्ट व्यक्ति है। उसने पहले तो होशियार लोगों को काम के लिए रखा और बाद में बैंकों, सरकार और राजनीतिज्ञों को अपने प्रभाव में लिया।'' ओराम ने ये भी कहा, "आपको स्मार्ट बनने से कौन रोकता है? आपसे कौन कहता है कि आदिवासी सिस्टम पर अपना प्रभाव नहीं दिखा सकते? आपको बैंको को प्रभावित करने से भी कौन रोकता है?'' हालांकि बाद में सफाई देते हुए ओराम ने कहा कि वे गलती से माल्या का नाम बोल गए। वे किसी और का नाम लेना चाहते थे। माल्या पर भारतीय बैंकों का 9 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का कर्ज है। मार्च 2016 में वह लंदन चला गया था। भारत ने उसे भगोड़ा करार दिया है। उसे देश में वापस लाने की प्रक्रिया जारी है।

ओराम ने कहा, "अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों को शिक्षा, नौकरियों और राजनीति में आरक्षण मिलता है लेकिन इसका नुकसान है। इसके चलते इस समुदाय के लोगों के ज्ञान और प्रतिभा का आकलन दूसरे लोगों की तरह नहीं किया जाता। आप लोगों को भी व्यवसायी और बुद्धिमान बनना चाहिए। हमें सूचनाएं ग्रहण करनी चाहिए। सूचना में ही ताकत होती है। जिसके पास सूचनाएं होती हैं, उसी का शक्ति पर नियंत्रण रहता है।''

परम पूज्य महंत श्री योगीराज स्वामी रामदास साहेब का वर्षी महोत्सव और रक्तदान शिबिर रखा गया

स्वामी जमनादास दरबार, ठक्करनगर द्वारा 11,12 और 13 जुलाई को विविध कार्यक्रम रखे गए. 11 जुलाई को शाम 6 बजे अखंड पाठ साहेब, 12 जुलाई सुबह 10 बजे हवन यग्न और शाम 6 बजे ब्हेराना साहेब और 13 जुलाई 10 से 2 बजे तक रक्तदान शिबिर और 2 बजे आम भंडारा शाम 6 बजे श्री अखंड पाठ साहेब का भोग और 9 बजे पल्लव.

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि में श्री मोनू साईं(प्रेम प्रकाश आश्रम), श्रीमती मायाबेन कोडनानी(एक्स एम.एल.ऐ.), श्रीमती निर्मला वाधवाणी(एक्स एम.एल.ऐ.), श्री वल्लभ काकड़िया(एम. एल.ऐ. ठक्करबापानगर) शामिल हुए थे.

पुणे: साधु वासवानी मिशन के दादा वासवानी का निधन

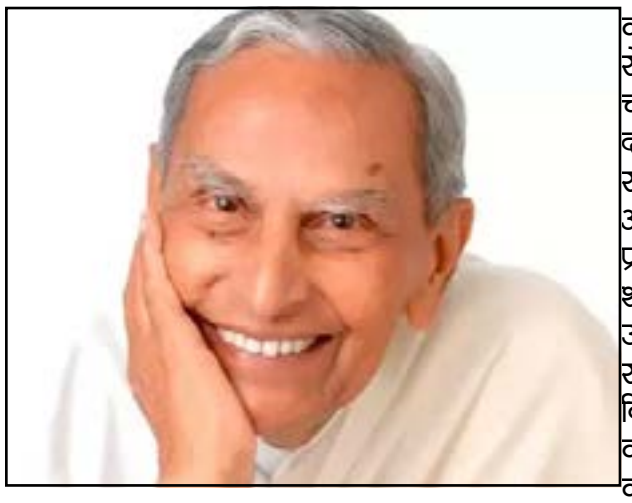

संत और शाकाहार का प्रचार-प्रसार करने वाले आध्यात्मिक गुरू दादा जे.पी. वासवानी का 99 साल की उम्र में निधन हो गया. साधु वासवानी मिशन के आध्यात्मिक प्रमुख जे.पी. वासवानी अगले महीने ही 100 वर्ष पूरे करने वाले थे. उन्होंने 150 किताबें भी लिखी थीं.
हैदराबाद में दो अगस्त 1918 को जन्मे दादा वासवानी के गुरु साधु टी एल वासवानी थे. वो अभी द्वारा पुणे में स्थापित साधु वासवानी मिशन में वर्तमान आध्यात्मिक प्रमुख थे. साधु वासवानी मिशन एन नॉन-प्रॉफिट संस्था है जिसकी दुनिया भर में इसकी शाखाएं हैं. दादा वासवानी का मानना था कि जीवन में परेशानियों का मूल कारण इच्छाएं हैं. हमें प्रभु की रजा में राजी रहना चाहिए, नम्रता धारण कर मानव सेवा करना चाहिए. दादा के संपर्क में आने वाले प्रत्येक शख्स को उनके प्रेम, संतोष और विनम्रता की शक्ति का अनुभव होता था. वो हमेशा कहते कि हम दूसरों को जितना दे सकते हैं उतना हमें देना चाहिए. जितनी मदद कर सकते है उतनी मदद करनी चाहिए. दादा के इन्हीं विचारों से गरीब और पीड़ितों की मदद के लिए बड़ी संख्या में लोग सामने आए, जिनसे उनकी जिंदगी में सुखद बदलाव आए. उन्होंने दूसरों के लिए अपना सबकुछ समर्पित करने में जिंदगी गुजार दी.
उन्होंने सेल्फ हेल्प पर 150 किताबें लिखी थीं. उनकी सभी किताबें बेहद सरल शब्दों में लिखी गई हैं. उनमें किसी भी समस्या के निदान की बेहद आसान शब्दों में व्याख्या की गई हैं. किताबों को ऐसे लिखा गया था कि इसे पढ़ने वाले खुद की किसी समस्या का खुद ही समाधान कर सकें. उन्होंने शिकागो में विश्व धर्म संसद और न्यूयॉर्क में विश्व शांति परिषद के सम्मेलनों में भी शिरकत की थीं.
दो अगस्त 1918 को जन्मे दादा वासवानी के जिंदगी में 100वें वर्ष में प्रवेश करने पर पिछले साल दो अगस्त को शताब्दी समारोह शुरू हुआ था. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देशभर में इन कार्यक्रमों की शुरुआत की थी. दादा वासवानी को उनके जन्मदिन के मौके पर शुभकामना देते हुए प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा था कि उनके आशीर्वाद से नए भारत के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी.
पीएम मोदी भी बड़े प्रशसंक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले वर्ष शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए उनसे जुड़े निजी संस्मकरणों को शेयर किया था. मोदी ने कहा था, '27 वर्ष पूर्व एक कार्यक्रम में दादा से मिलने और वक्त गुजारने का मौका मिला था. उस वक्त अच्छे समाज और देश के भविष्य को लेकर उनसे चर्चा हुई थी. उनसे सीखने के लायक बात यह है कि दूसरों के लिए जितना अच्छा किया जा सकता है उतना किया जाना चाहिए.'

मोदी ने किया देश के सबसे लंबे expressway का शिलान्यास, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से 9 जिलों में बनेंगे बिजनेस के मौके

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को देश के सबसे लंबे Purvanchal (पूर्वांचल) expressway का शिलान्यास किया। इस पूरे प्रोजेक्ट पर 23349 करोड़ रुपए की लागत आएगी। लगभग 341 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेस-वे से उत्तर प्रदेश के 9 जिलों को सीधे-सीधे फायदा होगा। राज्य के विकास की दृष्टि से इस एक्सप्रेस-वे को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस एक्सप्रेस-वे के बनने से इन जिलों में 10 तरह की बिजनेस एक्टिविटीज की जा सकती है, जो लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का काम करेगा।
इस मौके पर मोदी ने कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश की आशाओं और आकाक्षाओं को नई बुलंदियां देने वाला है। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर 23,000 करोड़ से ज्यादा खर्च किए जाएंगे। लखनऊ से लेकर गाजीपुर के रास्ते में जितने भी शहर-कस्बे और गांव आएंगे, वहां की तस्वीर बदलने जा रही है।
वॉटर-वे और एयर-वे भी बनेंगे प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सिर्फ हाईवे ही नहीं बल्कि वॉटरवे और एयरवे पर भी तेजी से काम चल रहा है। गंगा में बनारस से हल्दिया तक चलने वाले जहाज इस पूरे क्षेत्र में औद्योगिक विकास को और आगे ले जाएंगे। उत्तर प्रदेश के 12 एयरपोर्ट उड़ान योजना के तहत विकसित किए जा रहे हैं। इसके अलावा एक और चीज बढ़ेगी और वो है पर्यटन. इस क्षेत्र में जो हमारे महत्वपूर्ण पौराणिक स्थान हैं, भगवान राम से जुड़े, हमारे ऋषि मुनियों से जुड़े, उनका अब अधिक प्रचार-प्रसार हो पाएगा।
रोजगार के अवसर बनेंगे पीएम ने कहा कि यहां के युवाओं को अपने पारंपरिक कामकाज के साथ-साथ रोज़गार के नए अवसर भी उपलब्ध होंगे। यहां का किसान हो, पशुपालक हो, बुनकर हो, मिट्टी के बर्तनों का काम करने वाला हो, हर किसी के जीवन को ये एक्सप्रेस-वे नई दिशा देने वाला है। इस रोड के बन जाने से पूर्वांचल के किसानों का अनाज, फल, सब्जी, दूध, कम समय में दिल्ली की बड़ी मंडियों तक पहुंच पाएगा।
यह एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश के नौ जिलों से होकर गुजरेगा। इसमें लखनऊ, बाराबंकी, अमेठी, सुल्तानपुर, फैजाबाद, अंबेडकर नगर, आजमगढ़, मऊ व गाजीपुर शामिल हैं।
उत्तर प्रदेश सूचना एवं जनसंपर्क विभाग का दावा है कि इस एक्सप्रेस-वे से लगते जिलों में बिजनेस एक्टिविटीज तेजी से बढ़ेंगी। इसमें एक्सप्रेस-वे के आसपास कोल्ड स्टोरेज, फार्मिंग, मंडी, पर्यटन, मिल्क बेस्ड इंडस्ट्रीज, फूड प्रोसेसिंग यूनिट, हैंडलूम इंडस्ट्री को डेवलप किया जाएगा। साथ ही, यहां इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट, एजुकेशनल एवं ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट भी खोले जाएंगे।

सिंधी दिल्ही अकादमी द्वारा सिंधी संगत की एक सुरीली शाम

सिंधी अकादमी द्वारा आयोजित सिंधी संगत की एक सुन्दर सुरीली शाम तारीख 6 जुलाई 2018 की कोपरनिकस मार्ग, मंदी हाउस में रखी गई |

हितेश दादवाणी
(MDRT Agent SBI Life Insurance)

- General Insurance
- Life Insurance
- Child Education
- Retirement Planning
- Mutual Fund
- Home Loan
- Business Loan

Growing your dreams

SBI Life INSURANCE
With Us. You're Sure

मो. 7600026137

मालिक - मुद्रक -प्रकाशक-संपादक : हरिश भागवाणी ने लता ग्राफिक्स-२०, सर्जन बंग्लोझ, पार्श्वनाथ टाउनशीप, केनाल के पास, कृष्णनगर, अहमदाबाद से प्रिन्टींग कर के २०, सर्जन बंग्लोझ, पार्श्वनाथ टाउनशीप, केनाल के पास, कृष्णनगर, अहमदाबाद-३८२३४६ से प्रकाशित किया